आग का सामना करना

ऐतिहासिक भवनों को विशेष रूप से खतरा है।

शिमला में अत्यधिक भीड़भाड़, तंग और संकरे रास्तों के कारण आगजनी में वृद्धि हुई है। ऊँची इमारतों की बढ़ती संख्या एवं उनमें आग से निपटने के लिए उचित प्रबंध न होने के कारण खतरा और बढ़ गया है।

लकड़ी की बनी ऐतिहासिक इमारतें – जिनको UNESCO द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया गया है – विशेष रूप से संवेदनशील हैं। प्रत्येक वर्ष शिमला में आगजनी के कारण जान माल का भारी नुकसान होता है।

आगजनित खटनाओं को कम करने में मदद करें।

सुनिश्चित करें कि आप अग्नि शमन विभाग द्वारा दी जा रही सुरक्षा चेतावनियों का पालन कर रहें हैं।

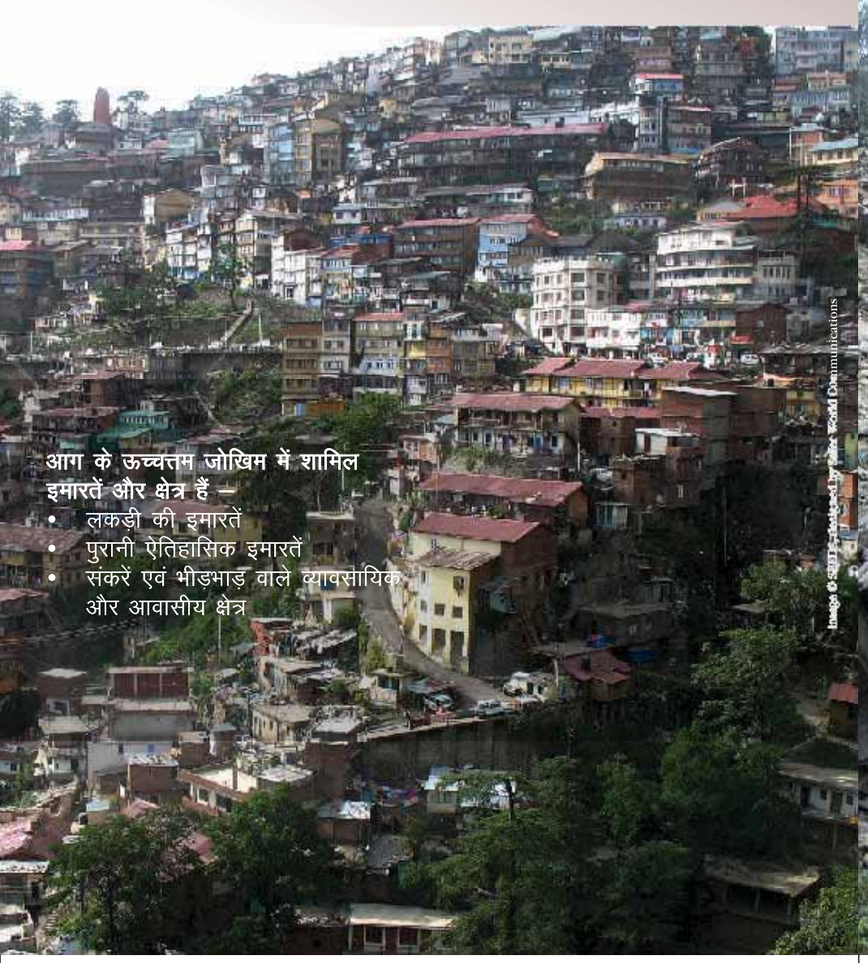

आग के ऊच्चत्तम जोखिम में शामिल इमारतें और क्षेत्र हैं –

- लकड़ी की इमारतें
- पुरानी ऐतिहासिक इमारतें
- संकरें एवं भीड़भाड़ वाले व्यावसायिक और आवासीय क्षेत्र

Image © SEEDS designed by Safer World Communications

भूस्खलन

शिमला के **सिंकिंग क्षेत्र** में वृद्धि जारी है।

शिमला में भूस्खलन सामान्य घटना है और ज़मीन धँसने की घटना ने इसके खतरे को और भी बढ़ा दिया है। शिमला का मुख्य क्षेत्र लगातार धंस रहा है और पहाड़ियों में अनियोजित कटान एवं पेड़ों की कटाई से गतिशील हो गया है। बारिश से यह स्थिति और भी बुरी हो जाती है। यह स्थिति शिमला की ऐतिहासिक धरोहर के लिए भी खतरा बनी हुई है।

भूकंप क्षेत्र IV में स्थित होने के कारण शिमला को भूकंप उपरांत भूस्खलन का भी खतरा है।

भूकंप एवं भूस्खलन से होने वाले नुकसान से बचने के लिए खड़ी ढ़लानों एवं संवेदनशील स्थानों पर भवन निर्माण कार्यों में सावधानी बरतनी चाहिए।

image © SEEDS designed by Safer World Communications

शहरी जोखिम न्यूनीकरण - शिमला

भारत सरकार – संयुक्त राष्ट्र संघ के शहरी आपदा जोखिम न्यूनीकरण के अंतर्गत शहरी आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ, नगर निगम शिमला द्वारा जनजागरण हेतु

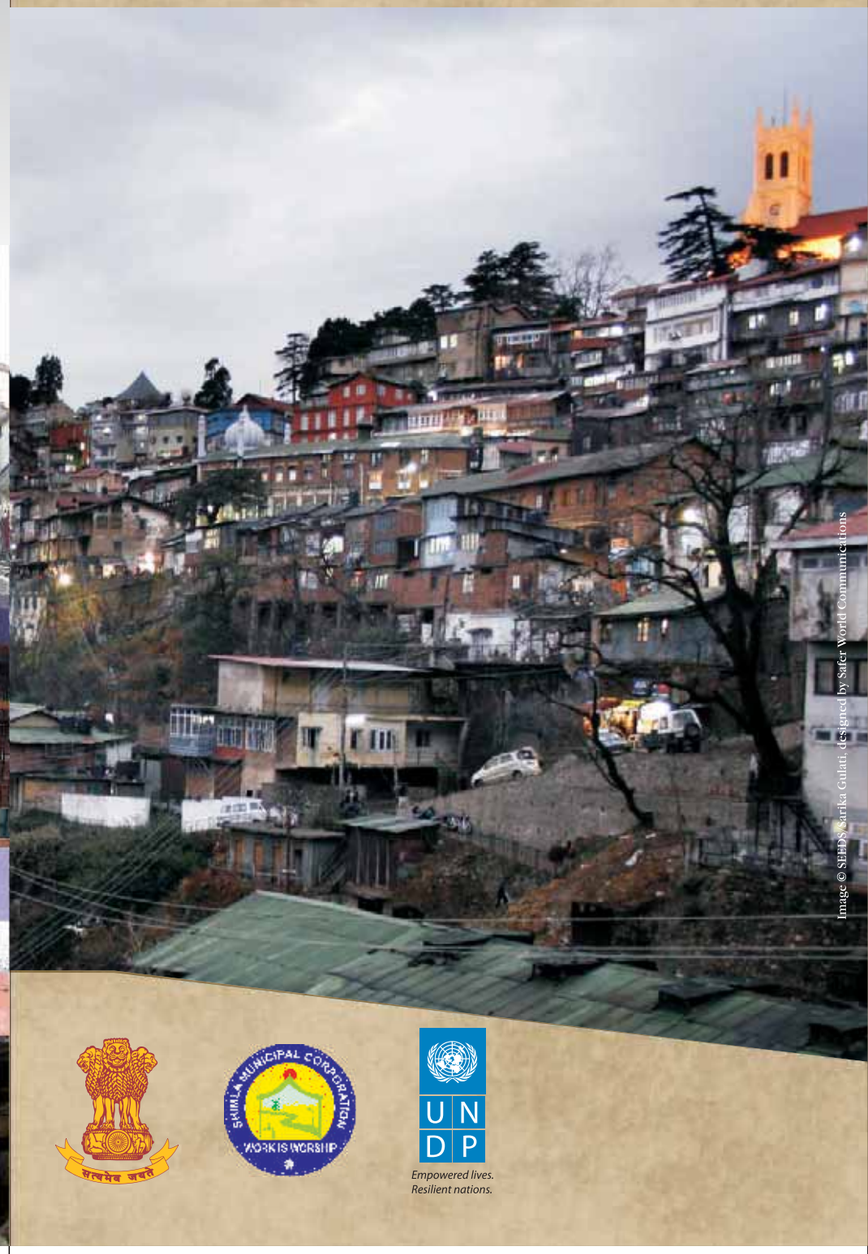

Image © SEEDS, Ritika Gulati, designed by Safer World Communications

सत्यमेव जयते

SHIMLA MUNICIPAL CORPORATION WORK IS WORSHIP

UNDP

Empowered lives. Resilient nations.

शिमला में शहरी दबाव के कारण आपदा जोखिम में वृद्धि

25,000 लोगों के लिए नियोजित, शिमला शहर में लगभग 1.6 लाख लोग रह रहे हैं।

शिमला की भौगोलिक स्थिति के कारण यह वर्तमान में कई आपादाओं जैसेः भूकंप, आगजनी, सिंकिंग (भूस्खलन), भारी बर्फबारी आदि का सामना प्रतिवर्ष करता है।

बढ़ती आबादी और सीमित संसाधनों एवं क्षमताओं के कारण शिमला शहर की संवेदनशीलता प्राकृतिक और मानव निर्मित खतरों के लिए और भी अधिक बढ़ गई है। असुरक्षित निर्माण और संसाधनों के लिए अत्यधिक माँग ने यहाँ के प्राकृतिक संसाधनों और रहन सहन के बुरी तरह प्रभावित किया है। जिससे आगजनी व भगदड़ जैसे खतरे और भी बढ़ गए हैं। वर्तमान में सभी मौजूदा बुनियादी सुविधाओं का शहर की बढ़ती मांग के साथ सामंजस्य बैठाना मुश्किल होता जा रहा है। इन सुविधाओं में पीने का पानी, सीवरेज, स्वास्थ्य और स्वच्छता, सड़कें, बिजली और संचार सुविधाएँ शामिल हैं।

शिमला में शहरी जोखिम न्यूनीकरण के प्रयास, इन समस्याओं से निपटने और शिमला शहर को भविष्य के लिए बेहतर तौर पर तैयार करने में मदद करेंगे।

आपके आपातकालीन संपर्क नम्बर हैं –

100 – पुलिस
101 – दमकल विभाग
106 – अटल स्वास्थ्य सेवा
1077 – जिला नियंत्रण कक्ष

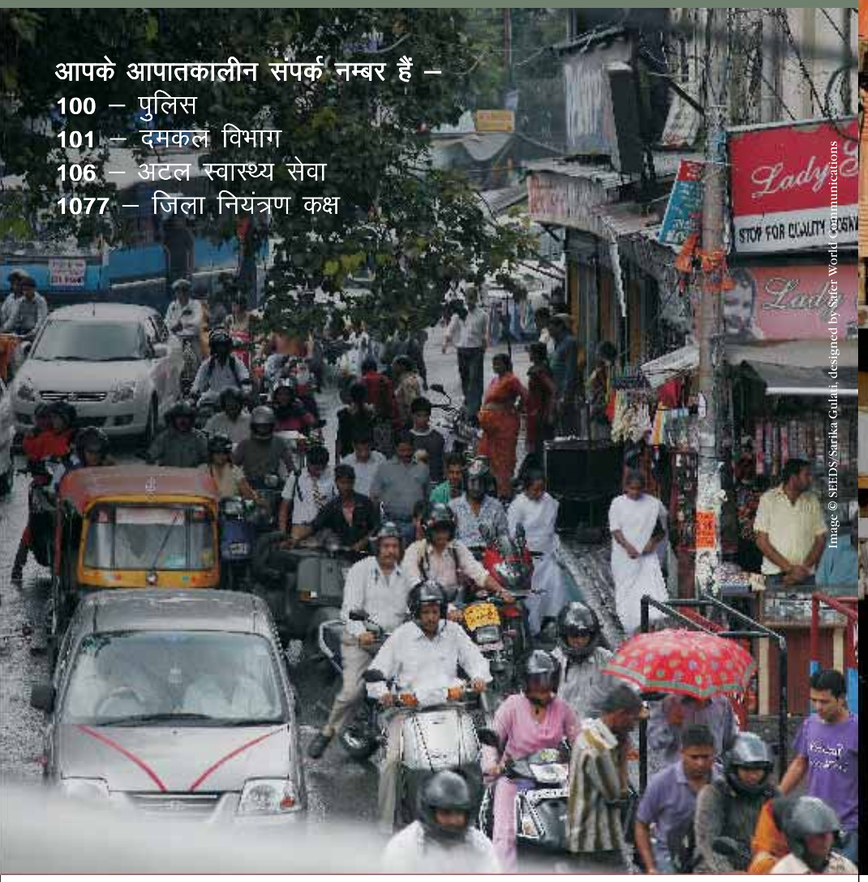

Image © SEEDS/ Sarika Gulati, designed by Sister World Communications

शिमला को भूकंप से निपटने के लिए तैयार करना

शिमला की लगभग 50% से अधिक इमारतों को भूकंप के दौरान भारी नुकसान होने की संभावना है।

शिमला भूकंप क्षेत्र IV में स्थित है एवं भूकंप क्षेत्र V से घिरा हुआ है। इस कारण यहाँ तीव्र भूकंप आने की अत्यधिक संभावना है। शिमला में सुरक्षित भवन निर्माण भूकंप संबन्धित खतरों को कम करने में सहायक हो सकता है। वर्तमान में शिमला में भवन निर्माण यहाँ भूकंप के खतरों को ध्यान में रखकर नहीं किया जा रहा है और न ही निर्माण के दौरान भूकंप के लिए उपलब्ध मानकों का पालन किया जा रहा है। सुरक्षित इमारतों के निर्माण के विषय पर बहुत सी – स्थानीय तथा वैज्ञानिक ज्ञान उपलब्ध है। फिर भी निर्माण कर्ता एवं कर्मी इस ज्ञान से अनजान हैं। इस उपलब्ध ज्ञान के विषय में जागरूक होकर स्वयं एवं शिमला को सुरक्षित किया जा सकता है।

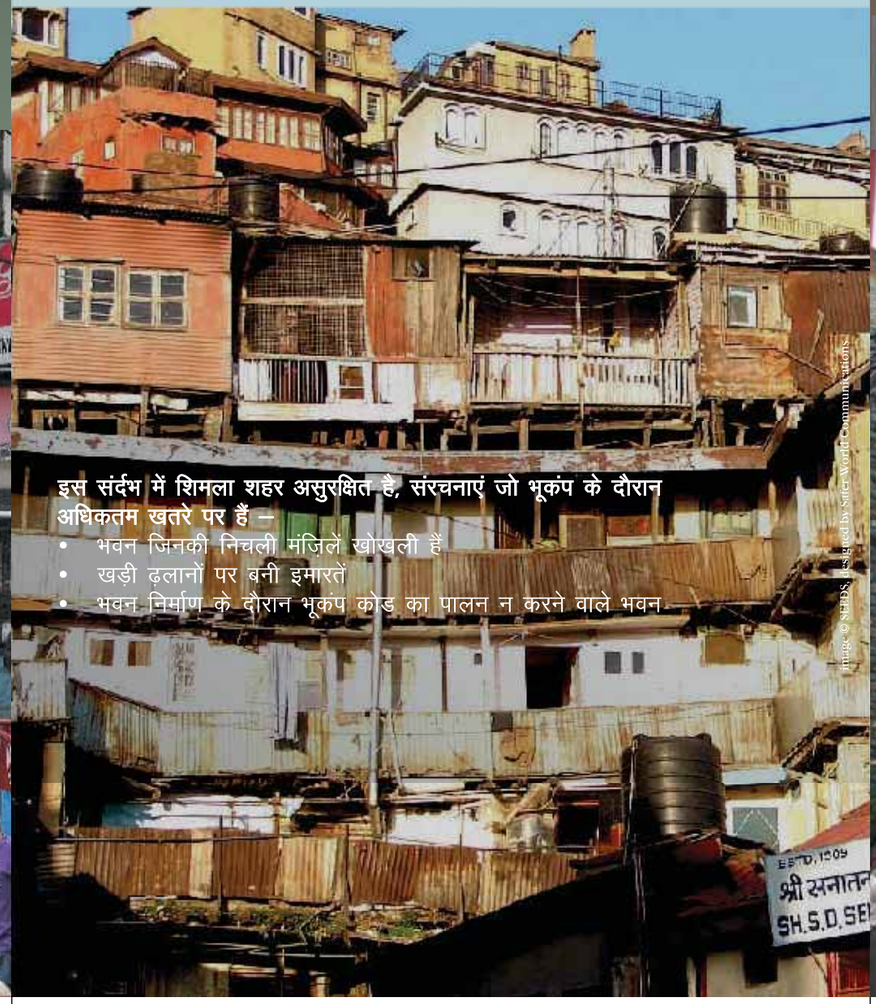

Image © SEEDS/ Sarika Gulati, designed by Sister World Communications

इस संदर्भ में शिमला शहर असुरक्षित है, संरचनाएं जो भूकंप के दौरान अधिकतम खतरे पर हैं –

- भवन जिनकी निचली मंज़िलें खोखली हैं
- खड़ी ढ़लानों पर बनी इमारतें
- भवन निर्माण के दौरान भूकंप कोड का पालन न करने वाले भवन

सुरक्षित शिमला के निर्माण के लिए साथ मिलकर काम करें

क्या आप जानते हैं आपके शहर में एक समर्पित आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ है?

नगर निगम, शिमला का आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ एक ऐसा मंच है जो शिमला शहर की नीतिगत एवं संस्थागत क्षमता वर्धन के लिए कार्य कर रहा है। आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ स्वयंसेवकों को जोड़ने एवं उनके क्षमतावर्धन का भी कार्य करता है।

आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ नगर निगम शिमला की मुख्य गतिविधियाँ –

- शिमला शहरी जोखिम न्यूनीकरण के बारे में जागरूकता फैलाना
- **आपदा** प्रबंधन व सूचना केंद्र का संचालन करना
- जिला तथा राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्रों के साथ सामन्वय
- सुरक्षित निर्माण प्रक्रिया के लिए और आपात स्थिति से निपटने के लिए समुदाय व संस्थानों का क्षमता वर्धन करना
- सुरक्षित निर्माण प्रक्रिया से संबंधित नीतियों, आपदा सुरक्षा दिशा निर्देश व उनके लागू होने के लिए पैरवी करना

प्रतिक्रिया

अपने बहुमूल्य सुझावों एवं आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ से जुड़ने के लिए कृपया संपर्क करें –
आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, नगर निगम, शिमला
नम्बर : 0177–2656576, 9418030611
वैबसाइट : www.shimlamc.gov.in,www.hpsdma.nic.in
ईमेल : mcsml-hp@nic.in, ekta.bartarya@gmail.com, ekta.bartarya@undp.org

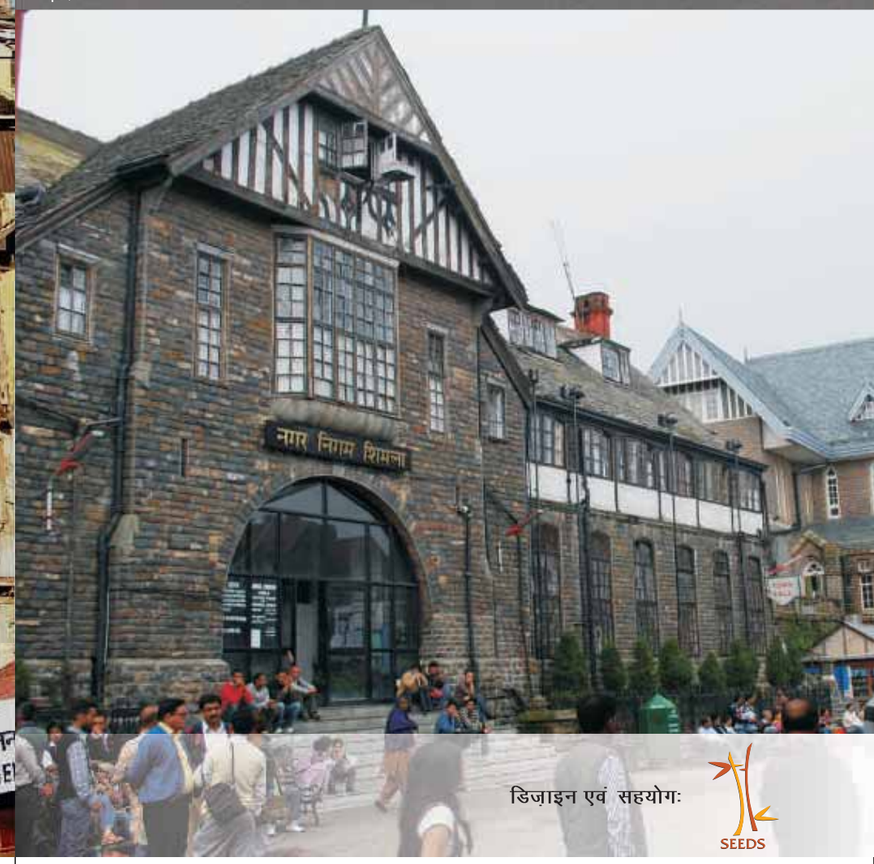

डिज़ाइन एवं सहयोगः SEEDS